



उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज  
स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा  
सरस्वती परिसर, सेक्टर एफ, शान्तिपुरम्  
फाफामऊ, प्रयागराज

सेवा में,

दिनांक : 22/12/2018

कुलसचिव जी  
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय  
प्रयागराज

विषय :- योग के विभिन्न पाठ्यक्रमों का संशोधित प्रारूप दिसम्बर-2018

महोदय,

संलग्न प्रपत्र जो उपरोक्त विषयक से सम्बन्धित है को कृपया सत्र दिसम्बर-2018, जनवरी 2019 में प्रवेश लेने वाले योग पाठ्यक्रम (CCY, DYO, PGDYO) के शिक्षार्थियों हेतु संशोधित पाठ्यक्रम प्रेषित है कृपया अवगत होना चाहें।

धन्यवाद

भवदीय

*अमित सिंह*

अमित कुमार सिंह  
परामर्शदाता योग  
स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा  
उ.प्र.रा.ट.मु.वि.वि., इलाहाबाद

प्रतिलिपि:-

परीक्षा नियंत्रक उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रवेश प्रभारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्राठ्य सामग्री प्रभारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रभारी आई.सी.टी. सेल उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

(वेबसाइट पर अपलोड होने हेतु)

*Forwarded*  
*22-12-18*

*(Signature)*

## योग में प्रमाण-पत्र (सी.सी.वाई.)

### Certificate in Yoga (CCY)

कार्यक्रम कोड / Programme Code	: 415	कार्यक्रम अवधि (वर्षों में)	: न्यूनतम : ½ अधिकतम	: 2
कार्यक्रम माध्यम / Medium of Instruction	: हिन्दी	Programme Duration (in Yrs.	: Minimum : ½ Maximum	: 2
प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता / Minimum	: 10+2	कार्यक्रम शुल्क / Programme Fee	: 2000/-	
Qualification for Admission		अधिन्यास कार्य / Assignment Work	: आवश्यक नहीं / Not Essential	

### पाठ्यक्रम कोड एवं विवरण

Paper No	Course Code	Title of the Course/ पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits
847	CCY-01	योग के आधार भूत तत्व	6
848	CCY-02	योग दर्शन	6
849	CCY-03	योग क्रियात्मक	8
Total Credits			20

## CCY – 01

### योग के आधारभूत तत्व

#### खण्ड प्रथम – योग परिचय

- इकाई-1 योग की परिभाषा एवं योग का उद्देश्य  
मानव जीवन में योग का महत्व एवं विभिन्न क्षेत्रों में योग की उपयोगिता
- इकाई-2 योग के मार्ग- कर्मयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग,  
योग में साधक बाधक तत्व

#### खण्ड द्वितीय- हठयोग

- इकाई-1 हठयोग का परिचय  
षट्कर्म – नेति, धौति, वस्ति नौलि, त्राटक, कपालभाँति
- इकाई-2 हठयोग में आसन, उद्देश्य उपयोगिता, आसन एवं शारीरिक अभ्यासों में अन्तर  
सूक्ष्म व्यायाम, सूर्यनमस्कार मन्त्र सहित
- इकाई-3 1. पद्मासन, 2. सिद्धासन 3. वज्रासन, 4. मत्स्यासन, 5. सिंहासन, 6. गोमुखासन, 7. अर्ध मत्स्येन्द्रासन, 8. मार्जारीआसन, 9. भुजगासन, 10. ताड़ासन, 11. तिर्यक ताड़ासन, 12. कटिचक्रासन,
- इकाई-4 1. उत्तानपादासन, 2. सर्वांगासन, 3. पवनमुक्तासन, 4. सेतुबंधासन, 5. पश्चिमोत्तानासन, 6. चक्रासन, 7. मकरासन, 8. शवासन, 9. शलभासन, 10. धनुरासन, 11. शीर्षासन

#### खण्ड तृतीय- प्राणायाम

- इकाई-5 1. उदरीय श्वसन, वक्षीय श्वसन, योगिक श्वसन, 2. नाडीशोधन प्राणायाम, 3. सूर्यभेदन प्राणायाम, 4. चन्द्रभेदन प्राणायाम, 5. भ्रामरी प्राणायाम, 6. शीतली प्राणायाम, 7. शीतकारी प्राणायाम, 8. उज्जायी प्राणायाम, 9. भस्त्रिका प्राणायाम
- इकाई-6 बंध एवं मुद्रा  
बंध- 1. मूलबंध, 2. उड्डियान बंध, 3. जालंधर बंध, 4. महाबंध  
मुद्रा- 1. ज्ञान मुद्रा, 2. वायुमुद्रा, 3. वरुण मुद्रा, 4. पृथ्वी मुद्रा, 5. विपरीतकरणी मुद्रा, 6. महामुद्रा, 7. ताड़ागी मुद्रा, 8. काकी मुद्रा, 9. शाम्भवी मुद्रा, 10. अश्विनी मुद्रा।
- इकाई-7 चक्र की अवधारणा और नादानुसंधान

## CCY - 02

### योग दर्शन

#### खण्ड प्रथम – पतंजलि योग सूत्र की प्रस्तावना

- इकाई-1 पतंजलि योग सूत्र का ऐतिहासिक परिचय  
इकाई-2 पतंजलि योग सूत्र के चारों अध्यायों का परिचय  
इकाई-3 आधुनिक युग में पतंजलि योग सूत्र का महत्व, शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक महत्व

#### खण्ड द्वितीय – समाधिपाद

- इकाई-4 परिभाषा, चित्त की धारणा, चित्त की वृत्ति एवं चित्त भूमि  
इकाई-5 अभ्यास वैराग्य, योगान्तराय, ईश्वर स्वरूप, चित्त विक्षेप  
इकाई-6 चित्त प्रसादन, समाधि-सम्प्रज्ञात एवं रितम्भरा प्रज्ञा, सजीव एवं निर्जीव समाधि

#### खण्ड तृतीय – साधना पाद

- इकाई-7 क्रिया योग – तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्राणिधान  
इकाई-8 पंच क्लेश – अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष, अभिनेवेश  
इकाई-9 अष्टांग योग (बहिरंग साधना) यम, आसन, प्राणायाम प्रत्याहार

#### खण्ड चतुर्थ – विभूति पाद

- इकाई-10 अष्टांग योग (अंतरण साधना) धारणा, ध्यान, समाधि  
इकाई-11 योग विभूतियाँ  
इकाई-12 अष्टसिद्धि अणिमा, महिमा, लघिमा, गरिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व, वशित्व

#### खण्ड पंचम – कैवल्यपाद

- इकाई-13 सिद्धियों के प्रकार  
इकाई-14 धर्म मेघ समाधि, विवेक, ख्याति  
इकाई-15 कर्म, कर्म के प्रकार, कर्म पाल सिद्धान्त का संक्षिप्त वर्णन



## योग क्रियात्मक (प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम योग (CCY))

दो घंटे प्रतिदिन

प्रथम सत्र— (1:15 घण्टे प्रतिदिन)

आसन —

21. सूक्ष्म व्यायाम	11. अर्धमत्स्येन्द्रासन	21. हलासन
22. सूर्य नमस्कार मन्त्रों सहित	12. मार्जारीआसन	22. नौकासन
23. पद्मासन	13. मण्डूकासन	23. पवनमुक्तासन
24. सिद्धासन	14. भुजंगासन	24. सेतुबंधासन
25. स्वास्तिकासन	15. ताड़ासन	25. पश्चिमोत्तान आसन
26. वज्रासन	16. तिर्यक् ताड़ासन	26. चक्रासन
27. मत्स्यासन	17. कटिचक्रासन	27. मकरासन/शवासन
28. सिंहासन	18. उत्तानपादासन	28. शलाभासन
29. वीरासन	19. मयूरासन	29. शीर्षासन
30. गोमुखासन	20. सर्वांगासन	30. धनुरासन

प्राणायाम —

श्वसन विधियाँ— उदरीय श्वसन, वक्षीय श्वसन, यौगिक श्वसन

17. नाडीशोधन प्राणायाम	18. भस्त्रिका प्राणायाम	19. भ्रामरी प्राणायाम	20. शीतली प्राणायाम
21. उज्यायी प्राणायाम	22. शीतकारी प्राणायाम	23. सूर्य-भेदन प्राणायाम	24. चन्द्र-भेदन प्राणायाम

बंध — 1. मूलबंध, 2. उड्डियान बंध, 3. जालंधर बंध, 4. महाबंध

मुद्रा — 1. ज्ञानमुद्रा, 2. प्राणमुद्रा, 3. अपान मुद्रा, 4. लिंग मुद्रा, 5. चिनमुद्रा, 6. चिनमय मुद्रा, 7. आदि मुद्रा, 8. मेरुदण्ड मुद्रा, 9. विपरीकरनी मुद्रा, 10. तड़ागी मुद्रा, 11. काकी मुद्रा, 12. योग मुद्रा, 13. खेचरी मुद्रा, 14. महा मुद्रा, 15. अश्विनी मुद्रा

षट्कर्म — 1. धौति, 2. वस्ति, 3. नेति, 4. त्राटक, 5. नौली, 6. कपाल भाति

ध्यान — पंचकोशा ध्यान, सुदर्शन क्रिया ध्यान

द्वितीय सत्र— (45 मिनट प्रतिदिन)

बौद्धिक प्रशिक्षण व्याख्यान

9. वर्तमान वैश्विक परिवेश में योग	10. भारत का अतीत, वर्तमान एवं भविष्य
11. भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं जीवन मूल्य	12. 21 जून योग दिवस

मौखिकी —

## योग में डिप्लोमा

### Diploma in Yoga (DYO)

कार्यक्रम कोड / Programme Code	: 986	कार्यक्रम अवधि (वर्षों में)	: न्यूनतम 1 अधिकतम : 3
कार्यक्रम माध्यम / Medium of Instruction	: हिन्दी / Hindi	Programme Duration (in Yrs. : Minimum : 1 Maximum : 3	
प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता /	: 10+2	कार्यक्रम शुल्क / Programme Fee : 5000+200/-	
Minimum Qualification for Admission		अधिन्यास कार्य / Assignment Work : आवश्यक नहीं / Not Essential	

योग में डिप्लोमा (DYO) कार्यक्रम वार्षिक है कुल 32 क्रेडिट के पाठ्यक्रम को पूर्ण करना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम की अवधि में 32 क्रेडिट के पाठ्यक्रम को पूर्ण करने की दशा में ही शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी।

### पाठ्यक्रम कोड एवं विवरण

Year	Paper No/ पेपर नं०	Course Code / पाठ्यक्रम कोड	Title of the Course/ पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits/ क्रेडिट
One Year Course	25096	DYO-01	योग के आधार भूत तत्व	6
	25097	DYO-02	रोग एवं योग चिकित्सा	6
	25098	DYO-03	मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान सामान्य परिचय	6
	25099	DYO-04	स्वस्थवृत्त एवं आहार	6
	25100	DYO-05	योगाभ्यास एवं प्रायोगिक कार्य	8
<b>Total Credits</b>				<b>32</b>

## DYO - 01

### योग के आधारभूत तत्व

#### खण्ड प्रथम - योग परिचय

- इकाई-1 योग की परिभाषा एवं योग का उद्देश्य  
मानव जीवन में योग का महत्व एवं विभिन्न क्षेत्रों में योग की उपयोगिता
- इकाई-2 योग के मार्ग- कर्मयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग,  
योग में साधक बाधक तत्व

#### खण्ड द्वितीय- योग सूत्र

- इकाई-3 योग का अनुशासन,  
चित्त और चित्त भूमि की संकल्पना  
चित्त वृत्ति, पंच क्लेश,
- इकाई-4 चित्त प्रसादन, योग के मार्ग में बाधाएं, अष्टांग योग

#### खण्ड तृतीय - हठयोग

- इकाई-5 हठयोग का परिचय  
षट्कर्म - नेति, धौति, वस्ति नौलि, त्राटक, कपालभाँति
- इकाई-6 हठयोग में आसन, उद्देश्य उपयोगिता, आसन एवं शारीरिक अभ्यासों में अन्तर  
सूक्ष्म व्यायाम, सूर्यनमस्कार मन्त्र सहित
- इकाई-7 1. पद्मासन, 2. सिद्धासन 3. वज्रासन, 4. मत्स्यासन, 5. सिंहासन, 6. गोमुखासन, 7. अर्ध मत्स्येन्द्रासन, 8. मार्जारीआसन, 9. भुजंगासन, 10. ताड़ासन, 11. तिर्यक ताड़ासन, 12. कटिचक्रासन.

#### खण्ड चतुर्थ- प्राणायाम

- इकाई-8 1. नाडीशोधन प्राणायाम, 2. सूर्यभेदन प्राणायाम, 3. चन्द्रभेदन प्राणायाम, 4. भ्रामरी प्राणायाम, 5. शीतली प्राणायाम, 6. शीतकारी प्राणायाम, 7. उज्जायी प्राणायाम, 8. भरित्रिका प्राणायाम
- इकाई-9 बंध एवं मुद्रा  
बंध- 1. मूलबंध, 2. उड्डियान बंध, 3. जालंधर बंध, 4. महाबंध  
मुद्रा- 1. ज्ञान मुद्रा, 2. वायुमुद्रा, 3. वरुण मुद्रा, 4. पृथ्वी मुद्रा, 5. विपरीतकरणी मुद्रा।

## DYO – 02

### रोग एवं योग चिकित्सा

#### खण्ड प्रथम— योग चिकित्सा

- इकाई-1 माइग्रेन (आघाशीशी) के कारण, लक्षण एवं यौगिक उपचार  
रक्तचाप (उच्च उक्तचाप एवं निम्नरक्तचाप) सम्बन्धित समस्यायें कारण, लक्षण एवं यौगिक उपचार
- इकाई-2 श्वास सम्बन्धी रोग (अस्थमा) समस्यायें, कारण, लक्षण एवं यौगिक उपचार  
मानसिक रोग (अनिद्रा, चिन्ता, तनाव) से सम्बन्धित समस्यायें कारण लक्षण एवं यौगिक उपचार
- इकाई-3 मधुमेह के कारण लक्षण एवं यौगिक उपचार  
मेरूदण्ड से सम्बन्धित समस्यायें (स्लिप डिस्क, साइटिका, स्पॉन्डिलाइटिस) के लक्षण, कारण एवं यौगिक उपचार

#### खण्ड द्वितीय— पेट से सम्बन्धित रोग

- इकाई-4 कब्ज के लक्षण, कारण और यौगिक निदान  
आँत का अल्सर, लक्षण, कारण और यौगिक निदान
- इकाई-5 मोटापा के लक्षण, कारण और यौगिक निदान  
महिलाओं के लिए योग  
निर्बल और कमजोर व्यक्तियों के लिए योग



## DYO – 03

### मानव जीव विज्ञान एवं योग

#### खण्ड प्रथम – मानव शरीर संरचना

- इकाई-1 मानव व शरीर रचना, कोशिका व ऊतक संरचना प्रकार एवं कार्य  
इकाई-2 अस्थियों की संरचना, प्रकार व कार्य, संधियों का प्रकार एवं कार्य  
इकाई-3 पेशियों की संरचना, प्रकार व कार्य, अस्थि एवं पेशीतन्त्र पर यौगिक अभ्यास

#### खण्ड द्वितीय – परिसंचरण तन्त्र व श्वसन तन्त्र

- इकाई-4 हृदय की संरचना व कार्य, शिरा व धमनी-संरचना एवं कार्य  
इकाई-5 श्वसन तंत्र-संरचना एवं कार्य  
इकाई-6 परिसंचरण व श्वसन तंत्र पर यौगिक प्रभाव

#### खण्ड तृतीय – पाचन व उत्सर्जन तन्त्र

- इकाई-7 पाचन तन्त्र की संरचना एवं कार्य  
इकाई-8 उत्सर्जन तन्त्र की संरचना एवं कार्य  
इकाई-9 उत्सर्जन व पाचन तन्त्र पर यौगिक प्रभाव

#### खण्ड चतुर्थ – अन्तः स्रावी तन्त्र

- इकाई-10 पीट्यूट्री ग्रन्थि, पीनियल ग्रन्थि, थायराइड व पैराथायराइड ग्रन्थि  
इकाई-11 एडीनल, पैक्रियाज व गोनाड्स ग्रन्थि  
इकाई-12 उपरोक्त सभी ग्रन्थियों पर यौगिक प्रभाव

#### खण्ड पंचम – तन्त्रिका तन्त्र

- इकाई-13 मानव मस्तिष्क एवं मेरुरज्जु, पेरीफेरल व क्रेनियल नर्व्स  
इकाई-14 परानुकम्पी एवं अनुकम्पी तन्त्रिकायें, ज्ञानेन्द्रियों की संरचना एवं कार्य  
इकाई-15 तन्त्रिका तन्त्र पर यौगिक प्रभाव

## DYO - 04

### स्वस्थ्य वृत्त एवं आहार

#### खण्ड-01- स्वस्थ्य वृत्त एवं आहार चिकित्सा

- इकाई-1 स्वस्थ्य वृत्त का अर्थ एवं परिभाषा  
इकाई-2 स्वस्थ्य वृत्त का प्रयोजन, ऋतुचर्या एवं स्वास्थ्य  
इकाई-3 स्वास्थ्य के प्रकार, निद्रा एवं ब्रह्मचर्य

#### खण्ड-02- आहार एवं स्वास्थ्य

- इकाई-4 आहार के प्रमुख घटक, परिभाषा एवं प्रभावित करने वाले कारक  
इकाई-5 संतुलित आहार एवं योगिक आहार का परिचय

#### खण्ड -03- विभिन्न वर्गों के लिये संतुलित आहार

- इकाई-6 सामान्य व्यक्तियों के लिये संतुलित आहार  
इकाई-7 किशोरों, बालकों एवं महिलाओं के लिये संतुलित आहार  
इकाई-8 आहार का वर्गीकरण, भोजन का संग्रह एवं संरक्षण

#### खण्ड -04- रोग एवं उपचारात्मक पोषण

- इकाई-9 उपचारात्मक पोषण एवं स्वास्थ्य की अवधारणा  
इकाई-10 वात शामक, पित्त शामक एवं कफ शामक आहार  
इकाई-11 पोषक तत्वों के स्रोत एवं पोषण का शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

❖ योग क्रियात्मक (डिप्लोमा कार्यक्रम **DYO-05**)

❖ प्रथम सत्र— (1:15 घण्टे प्रतिदिन)

आसन —

11. सूक्ष्म व्यायाम	11. अर्धमत्स्येन्द्रासन	21. हलासन
12. सूर्य नमस्कार मन्त्रों सहित	12. मार्जारीआसन	22. नौकासन
13. पद्मासन	13. मण्डूकासन	23. पवनमुक्तासन
14. सिद्धासन	14. भुजंगासन	24. सेतुबंधासन
15. स्वास्तिकासन	15. ताड़ासन	25. पश्चिमोत्तान आसन
16. वज्रासन	16. तिर्यक् ताड़ासन	26. चक्रासन
17. मत्स्यासन	17. कटिचक्रासन	27. मकरासन / शवासन
18. सिंहासन	18. उत्तानपादासन	28. शलाभासन
19. वीरासन	19. मयूरासन	29. शीर्षासन
20. गोमुखासन	20. सर्वांगासन	30. धनुरासन

प्राणायाम —

श्वसन विधियाँ— उदरीय श्वसन, वक्षीय श्वसन, यौगिक श्वसन

9. नाडीशोधन प्राणायाम	10. मस्त्रिका प्राणायाम	11. भ्रामरी प्राणायाम	12. शीतली प्राणायाम
13. उज्यायी प्राणायाम	14. शीतकारी प्राणायाम	15. सूर्य—भेदन प्राणायाम	16. चन्द्र—भेदन प्राणायाम

बंध — 1. मूलबंध, 2. उड्डियान बंध, 3. जालंधर बंध, 4. महाबंध

मुद्रा — 1. ज्ञानमुद्रा, 2. प्राणमुद्रा, 3. अपान मुद्रा, 4. लिंग मुद्रा, 5. चिनमुद्रा, 6. चिनमय मुद्रा, 7. आदि मुद्रा, 8. मेरुदण्ड मुद्रा, 9. विपरीकरनी मुद्रा, 10. तड़ागी मुद्रा, 11. काकी मुद्रा, 12. योग मुद्रा, 13. खेचरी मुद्रा, 14. महा मुद्रा, 15. अश्विनी मुद्रा

षट्कर्म — 1. धौति, 2. वस्ति, 3. नेति, 4. त्राटक, 5. नौली, 6. कपाल भाति

ध्यान — पंचकोशा ध्यान, सुदर्शन क्रिया ध्यान

द्वितीय सत्र— (45 मिनट प्रतिदिन)

बौद्धिक प्रशिक्षण व्याख्यान

5. वर्तमान वैश्विक परिवेश में योग	6. भारत का अतीत, वर्तमान एवं भविष्य
7. भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं जीवन मूल्य	8. 21 जून योग दिवस

मौखिकी —

## योग में परास्नातक डिप्लोमा

### Post Graduate Diploma in Yoga (PGDYO)

कार्यक्रम कोड / Programme Code	: 1009	कार्यक्रम अवधि (वर्षों में)	: न्यूनतम 1 अधिकतम : 3
कार्यक्रम माध्यम / Medium of Instruction	: हिन्दी / Hindi	Programme Duration (in Yrs.)	: Minimum : 1 Maximum : 3
प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता /	: स्नातक (3 वर्षीय)	कार्यक्रम शुल्क / Programme Fee	: 6000+200/-
Minimum Qualification for Admission	Three Years	अधिन्यास कार्य / Assignment Work	: आवश्यक / Essential
	Bachelor degree		

योग में परास्नातक (PGDYO) कार्यक्रम वार्षिक है कुल 40 क्रेडिट के पाठ्यक्रम को पूर्ण करना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम की अवधि में 40 क्रेडिट के पाठ्यक्रम को पूर्ण करने की दशा में ही शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी।

### पाठ्यक्रम कोड एवं विवरण

Year	Paper No/ पेपर नं०	Course Code / पाठ्यक्रम कोड	Title of the Course/ पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits/ क्रेडिट
One Year Course	9001	PGDYO-01	योग के आधार भूत तत्व	6
	9002	PGDYO-02	मानव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान	6
	9003	PGDYO-03	योग चिकित्सा एवं प्राकृतिक चिकित्सा	6
	9004	PGDYO-04	स्वस्थवृत्त एवं आहार	6
	9005	PGDYO-05	पतंजलि योग दर्शन	6
	9006	PGDYO-06	योगाभ्यास एवं प्रायोगिक कार्य	10
<b>Total Credits</b>				<b>40</b>



## PGDYO – 01

### योग के आधारभूत तत्व

#### खण्ड प्रथम – योग परिचय

- इकाई-1 योग की परिभाषा एवं योग का उद्देश्य  
मानव जीवन में योग का महत्व एवं विभिन्न क्षेत्रों में योग की उपयोगिता
- इकाई-2 योग के मार्ग- कर्मयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग,  
योग में साधक बाधक तत्व

#### खण्ड द्वितीय- हठयोग

- इकाई-1 हठयोग का परिचय  
षट्कर्म – नेति, धौति, वस्ति नौलि, त्राटक, कपालभौति
- इकाई-2 हठयोग में आसन, उद्देश्य उपयोगिता, आसन एवं शारीरिक अभ्यासों में अन्तर  
सूक्ष्म व्यायाम, सूर्यनमस्कार मन्त्र सहित
- इकाई-3 1. पद्मासन, 2. सिद्धासन 3. वज्रासन, 4. मत्स्यासन, 5. सिंहासन, 6. गोमुखासन, 7. अर्ध मत्स्येन्द्रासन, 8. मार्जारीआसन, 9. भुजगांसन, 10. ताड़ासन, 11. तिर्यक ताड़ासन, 12. कटिचक्रासन,
- इकाई-4 1. उत्तानपादासन, 2. सर्वांगासन, 3. पवनमुक्तासन, 4. सेतुबंधासन, 5. पश्चिमोत्तानासन, 6. चक्रासन, 7. मकरासन, 8. शवासन, 9. शलभासन, 10. धनुरासन, 11. शीर्षासन

#### खण्ड तृतीय- प्राणायाम

- इकाई-5 1. उदरीय श्वसन, वक्षीय श्वसन, योगिक श्वसन, 2. नाड़ीशोधन प्राणायाम, 3. सूर्यभेदन प्राणायाम, 4. चन्द्रभेदन प्राणायाम, 5. भ्रामरी प्राणायाम, 6. शीतली प्राणायाम, 7. शीतकारी प्राणायाम, 8. उज्जायी प्राणायाम, 9. भस्त्रिका प्राणायाम
- इकाई-6 बंध एवं मुद्रा  
बंध- 1. मूलबंध, 2. उड्डियान बंध, 3. जालंधर बंध, 4. महाबंध  
मुद्रा- 1. ज्ञान मुद्रा, 2. वायुमुद्रा, 3. वरुण मुद्रा, 4. पृथ्वी मुद्रा, 5. विपरीतकरणी मुद्रा, 6. महामुद्रा, 7. ताड़ागी मुद्रा, 8. काकी मुद्रा, 9. शाम्भवी मुद्रा, 10. अश्विनी मुद्रा।
- इकाई-7 चक्र की अवधारणा और नादानुसंधान

## PGDYO – 02

### मानव जीव विज्ञान एवं योग

#### खण्ड प्रथम – मानव शरीर संरचना

- इकाई-1 मानव व शरीर रचना, कोशिका व ऊतक संरचना प्रकार एवं कार्य  
इकाई-2 अस्थियों की संरचना, प्रकार व कार्य, संधियों का प्रकार एवं कार्य  
इकाई-3 पेशियों की संरचना, प्रकार व कार्य, अस्थि एवं पेशीतन्त्र पर यौगिक अभ्यास

#### खण्ड द्वितीय – परिसंचरण तन्त्र व श्वसन तन्त्र

- इकाई-4 हृदय की संरचना व कार्य, शिरा व धमनी-संरचना एवं कार्य  
इकाई-5 श्वसन तंत्र-संरचना एवं कार्य  
इकाई-6 परिसंचरण व श्वसन तंत्र पर यौगिक प्रभाव

#### खण्ड तृतीय – पाचन व उत्सर्जन तन्त्र

- इकाई-7 पाचन तन्त्र की संरचना एवं कार्य  
इकाई-8 उत्सर्जन तन्त्र की संरचना एवं कार्य  
इकाई-9 उत्सर्जन व पाचन तन्त्र पर यौगिक प्रभाव

#### खण्ड चतुर्थ – अन्तः स्रावी तन्त्र

- इकाई-10 पीट्यूट्री ग्रन्थि, पीनियल ग्रन्थि, थायराइड व पैराथायराइड ग्रन्थि  
इकाई-11 एड्रीनल, पैक्रियाज व गोनाड्स ग्रन्थि  
इकाई-12 उपरोक्त सभी ग्रन्थियों पर यौगिक प्रभाव

#### खण्ड पंचम – तन्त्रिका तन्त्र

- इकाई-13 मानव मस्तिष्क एवं मेरुरज्जु, पेरीफेरल व क्रेनियल नर्व  
इकाई-14 परानुकम्पी एवं अनुकम्पी तन्त्रिकायें, ज्ञानेन्द्रियों की संरचना एवं कार्य  
इकाई-15 तन्त्रिका तन्त्र पर यौगिक प्रभाव

## PGDYO – 03

### योग चिकित्सा एवं प्राकृतिक चिकित्सा

#### खण्ड प्रथम— योग चिकित्सा

- इकाई-1 माइग्रेन (आघाशीशी) के कारण, लक्षण एवं यौगिक उपचार  
रक्तचाप (उच्च उक्तचाप एवं निम्नरक्तचाप) से सम्बन्धित समस्यायें कारण, लक्षण एवं यौगिक उपचार
- इकाई-2 श्वास से सम्बन्धी रोग (अस्थमा) समस्यायें, कारण, लक्षण एवं यौगिक उपचार  
मानसिक रोग (अनिद्रा, चिन्ता, तनाव) से सम्बन्धित समस्यायें कारण लक्षण एवं यौगिक उपचार
- इकाई-3 मधुमेह के कारण लक्षण एवं यौगिक उपचार  
मेरूदण्ड से सम्बन्धित समस्यायें (स्लिप डिस्क, साइटिका, स्पॉन्डिलारटिस) के लक्षण, कारण एवं यौगिक उपचार

#### खण्ड द्वितीय— प्राकृतिक चिकित्सा

- इकाई-4 प्राकृतिक चिकित्सा, संक्षिप्त इतिहास एवं मूल सिद्धान्त रोग का मूल कारण, रोग की तीव्र व जीर्ण अवस्थाएं विजातीय विष का सिद्धान्त
- इकाई-5 जल चिकित्सा— महत्व सिद्धान्त एवं विधियाँ
- इकाई-6 मिट्टी चिकित्सा— महत्व सिद्धान्त एवं विधियाँ
- इकाई-7 सूर्य चिकित्सा— महत्व सिद्धान्त एवं विधियाँ
- इकाई-8 उपवास की परिभाषा एवं सिद्धान्त उपवास, के नियम उपवास, के प्रकार, अभ्यंग की परिभाषा एवं महत्व अभ्यंग का विभिन्न अंगों पर प्रभाव

## PGDYO – 04

### स्वस्थ्य वृत्त एवं आहार चिकित्सा

#### खण्ड-01- स्वस्थ्य वृत्त एवं आहार चिकित्सा

- इकाई-1 स्वस्थ्य वृत्त का अर्थ एवं परिभाषा  
इकाई-2 स्वस्थ्य वृत्त का प्रयोजन, ऋतुचर्या एवं स्वास्थ्य  
इकाई-3 स्वास्थ्य के प्रकार, निद्रा एवं ब्रह्मचर्य

#### खण्ड-02- आहार एवं स्वास्थ्य

- इकाई-4 आहार के प्रमुख घटक, परिभाषा एवं प्रभावित करने वाले कारक  
इकाई-5 संतुलित आहार एवं योगिक आहार का परिचय

#### खण्ड -03- विभिन्न वर्गों के लिये संतुलित आहार

- इकाई-6 सामान्य व्यक्तियों के लिये संतुलित आहार  
इकाई-7 किशोरों, बालकों एवं महिलाओं के लिये संतुलित आहार  
इकाई-8 आहार का वर्गीकरण, भोजन का संग्रह एवं संरक्षण

#### खण्ड -04- रोग एवं उपचारात्मक पोषण

- इकाई-9 उपचारात्मक पोषण एवं स्वास्थ्य की अवधारणा  
इकाई-10 वात शामक, पित्त शामक एवं कफ शामक आहार  
इकाई-11 पोषक तत्वों के स्रोत एवं पोषण का शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव



## PGDYO - 05

### योग दर्शन

खण्ड प्रथम – पतंजलि योग सूत्र की प्रस्तावना

इकाई-1 पतंजलि योग सूत्र का ऐतिहासिक परिचय

इकाई-2 पतंजलि योग सूत्र के चारों अध्यायों का परिचय

इकाई-3 आधुनिक युग में पतंजलि योग सूत्र का महत्व, शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक महत्व

खण्ड द्वितीय – समाधिपाद

इकाई-4 परिभाषा, चित्त की धारणा, चित्त की वृत्ति एवं चित्त भूमि

इकाई-5 अभ्यास वैराग्य, योगान्तराय, ईश्वर स्वरूप, चित्त विक्षेप

इकाई-6 चित्त प्रसादन, समाधि-सम्प्रज्ञात एवं रितम्भरा प्रज्ञा, सजीव एवं निर्जीव समाधि

खण्ड तृतीय – साधना पाद

इकाई-7 क्रिया योग – तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्राणिधान

इकाई-8 पंच क्लेश – अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष, अभिनेवेश

इकाई-9 अष्टांग योग (बहिरंग साधना) यम, आसन, प्राणायाम प्रत्याहार

खण्ड चतुर्थ – विमूति पाद

इकाई-10 अष्टांग योग (अंतरण साधना) धारणा, ध्यान, समाधि

इकाई-11 योग विमूतियाँ

इकाई-12 अष्टसिद्धि अणिमा, महिमा, लधिमा, गरिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व, वशित्व

खण्ड पंचम – कैवल्यपाद

इकाई-13 सिद्धियों के प्रकार

इकाई-14 धर्म मेघ समाधि, विवेक, ख्याति

इकाई-15 कर्म, कर्म के प्रकार, कर्म पाल सिद्धान्त का संक्षिप्त वर्णन

योग क्रियात्मक (परास्नातक डिप्लोमा (PGDYO-06)

दो घंटे प्रतिदिन

प्रथम सत्र- (1:15 घण्टे प्रतिदिन)

आसन -

1. सूक्ष्म व्यायाम	11. अर्धमत्स्येन्द्रासन	21. हलासन
2. सूर्य नमस्कार मन्त्रों सहित	12. मार्जारीआसन	22. नौकासन
3. पद्मासन	13. मण्डूकासन	23. पवनमुक्तासन
4. सिद्धासन	14. भुजंगासन	24. सेतुबंधासन
5. स्वास्तिकासन	15. ताड़ासन	25. पश्चिमोत्तान आसन
6. वज्रासन	16. तिर्यक् ताड़ासन	26. चक्रासन
7. मत्स्यासन	17. कटिचक्रासन	27. मकरासन / शवासन
8. सिंहासन	18. उत्तानपादासन	28. शलाभासन
9. वीरासन	19. मयूरासन	29. शीर्षासन
10. गोमुखासन	20. सर्वांगासन	30. धनुरासन

प्राणायाम -

श्वसन विधियाँ:- उदरीय श्वसन, वक्षीय श्वसन, यौगिक श्वसन

1. नाडीशोधन प्राणायाम	2. भस्त्रिका प्राणायाम	3. भ्रामरी प्राणायाम	4. शीतली प्राणायाम
5. उज्यायी प्राणायाम	6. शीतकारी प्राणायाम	7. सूर्य-भेदन प्राणायाम	8. चन्द्र-भेदन प्राणायाम

बंध - 1. मूलबंध, 2. उड्डियान बंध, 3. जालंधर बंध, 4. महाबंध

मुद्रा - 1. ज्ञानमुद्रा, 2. प्राणमुद्रा, 3. अपान मुद्रा, 4. लिंग मुद्रा, 5. चिनमुद्रा, 6. चिनमय मुद्रा, 7. आदि मुद्रा, 8. मेरुदण्ड मुद्रा, 9. विपरीकरनी मुद्रा, 10. तड़ागी मुद्रा, 11. काकी मुद्रा, 12. योग मुद्रा, 13. खेचरी मुद्रा, 14. महा मुद्रा, 15. अश्विनी मुद्रा

षट्कर्म - 1. धौति, 2. वस्ति, 3. नेति, 4. त्राटक, 5. नौली, 6. कपाल भाति

ध्यान - पंचकोशा ध्यान, सुदर्शन क्रिया ध्यान

द्वितीय सत्र- (45 मिनट प्रतिदिन)

बौद्धिक प्रशिक्षण व्याख्यान

1. वर्तमान वैश्विक परिवेश में योग	2. भारत का अतीत, वर्तमान एवं भविष्य
3. भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं जीवन मूल्य	4. 21 जून योग दिवस

मौखिकी -